

अध्याय - 6 | पुष्पी पादपों का शरीर

QUIZ PART-02

1. द्विबीजपत्री मूल की बाह्यत्वचा को क्या कहा जाता है?

- A. एपिडर्मिस
- B. एपीब्लेमा
- C. कॉर्टेक्स
- D. एंडोडर्मिस (B)

व्याख्या: द्विबीजपत्री मूल की सबसे बाहरी परत एपीब्लेमा या मूलीय त्वचा कहलाती है, जिसमें नलिकाकार सजीव कोशिकाएँ होती हैं।

2. द्विबीजपत्री मूल में वल्कुट (Cortex) कैसा होता है?

- A. मृत कोशिकाओं का बना
- B. मोटी भित्तियों वाला
- C. पतली भित्तियों वाली पैरेंकाइमी कोशिकाओं की अनेक परतों का बना
- D. कठोर ऊतक (C)

व्याख्या: वल्कुट में पतली भित्तियों वाली पैरेंकाइमी कोशिकाओं की अनेक परतें होती हैं जिनके बीच अंतर्कोशिकीय स्थान पाए जाते हैं।

3. अंतस्त्वचा (Endodermis) में कौन-सा पदार्थ उपस्थित होता है जो जल के पारगमन को रोकता है?

- A. सेलूलोज़
- B. काइटिन
- C. सुबेरिन
- D. पेक्टिन (C)

व्याख्या: अंतस्त्वचा की कोशिकाओं की पार्श्व और स्पर्श भित्तियों पर सुबेरिन से बनी कैस्पेरियन पट्टियाँ होती हैं जो जल के पारगमन को रोकती हैं।

4. कैस्पेरियन पट्टियों का मुख्य कार्य क्या है?

- A. जल संचयन
- B. जल का परिवहन
- C. जल के प्रवेश को नियंत्रित करना और मूलदाब उत्पन्न करना
- D. गैसों का विनिमय (C)

व्याख्या: कैस्पेरियन पट्टियाँ जल के नियंत्रित प्रवेश में सहायक होती हैं और मूलदाब उत्पन्न करने में भूमिका निभाती हैं।

5. परिकवच (Pericycle) का मुख्य कार्य क्या है?

- A. प्रकाश संश्लेषण
- B. पार्श्व मूलों और संवहनी कैंबियम का निर्माण
- C. जल अवशोषण
- D. भोजन संग्रहण (B)

व्याख्या: परिकवच (Pericycle) में द्वितीयक वृद्धि के समय संवहनी कैंबियम और पार्श्व मूलों का निर्माण होता है।

6. द्विबीजपत्री मूल में जाइलम और फ्लोएम के कितने खंड पाए जाते हैं?

- A. 1-2
- B. 2-4
- C. 6 या अधिक
- D. 8 या अधिक (B)

व्याख्या: द्विबीजपत्री मूल में सामान्यतः दो से चार जाइलम और फ्लोएम के खंड पाए जाते हैं।

7. एकबीजपत्री मूल में जाइलम बंडलों की संख्या कितनी होती है?

- A. दो
- B. चार
- C. छह या अधिक
- D. केवल एक (C)

व्याख्या: एकबीजपत्री मूल में जाइलम बंडलों की संख्या प्रायः छह या अधिक होती है, जिसे बहु-आर्क (Polyarch) अवस्था कहा जाता है।

8. एकबीजपत्री मूल में कौन-सी परत अनुपस्थित होती है जिसके कारण द्वितीयक वृद्धि संभव नहीं होती?

- A. एंडोडर्मिस
- B. परिकवच
- C. कॉर्टेक्स
- D. कैंबियम (D)

व्याख्या: एकबीजपत्री मूल में कैंबियम अनुपस्थित होता है, इसलिए इनमें द्वितीयक वृद्धि संभव नहीं होती।

9. कौन-सा पौधा एकबीजपत्री मूल का उदाहरण है?

- A. सूरजमुखी
- B. मूँग
- C. गेहूँ
- D. अरहर (C)

व्याख्या: गेहूँ, मक्का और घास जैसे पौधों में एकबीजपत्री मूल पाई जाती है जिसमें कैंबियम अनुपस्थित रहता है।

10. द्विबीजपत्री मूल में कौन-सी विशेषता पाई जाती है जो एकबीजपत्री मूल में नहीं होती?

- A. बहु-आर्क अवस्था
- B. पतली भित्तियाँ
- C. द्वितीयक वृद्धि की क्षमता
- D. पिथ का बड़ा आकार (C)

व्याख्या: द्विबीजपत्री मूल में कैंबियम की उपस्थिति के कारण द्वितीयक वृद्धि होती है, जबकि एकबीजपत्री मूल में यह अनुपस्थित होती है।